

# कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर,

NAAC GRADE-B

जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

College Code-3501

Ph. No. 07775-266657 E.mail-pri.gdc.surajpur@gmail.com/ pri-rmpgsurajpur.cg@gov.in

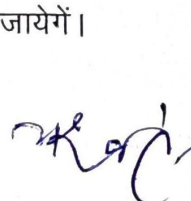
Web.-www.govtcollegesurajpur.ac.in

## शैक्षणिक सत्र 2020-21 का अकादमिक कैलेण्डर

क्र.	विवरण	तिथियाँ
1.	प्रवेश प्रक्रिया (प्राचार्य का अधिकार)	
	अ. स्नातक प्रथम वर्ष हेतु	01.08.2020 से 31.08.2021
	ब. अन्य कक्षाओं हेतु	परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिवस के अंदर
	स. कुलपति के अनुमति से प्रवेश की अंतिम तिथि	परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिवस के अंदर
2.	शिक्षण कार्य प्रारंभ	प्रथम वर्ष हेतु 01 नवम्बर 2020 से द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं परीक्षा परिणाम घोषित होने के सात दिवस बाद से
3.	छात्रसंघ / सांस्कृतिक, साहित्यिक/ खेलकूद एवं अन्य महाविद्यालयीन गतिविधियाँ	
	अ. छात्रसंघ गठन	
	ब. विश्वविद्यालयीन/ महाविद्यालयीन/ जिला/ संभाग / राज्य स्तरीय स्पर्धाएँ/ खेलकूद/ एन.सी.सी./ एन.एस.एस./ युवा उत्सव/ दीक्षान्त समारोह एवं अन्य गतिविधियाँ	इस वर्ष की विषम परिस्थितियों के कारण गतिविधियों के आयोजन शासन के द्वारा प्राप्त निर्देशों के अधीन रहेंगे।
4.	आंतरिक मूल्यांकन/ वार्षिक परीक्षाएँ	
	अ. पूरक परीक्षा का आयोजन	मुख्य परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात बिना विलंब।
	पूरक परीक्षा परीणाम की घोषणा	परीक्षा पूर्णता के 15 दिवस के भीतर सम्पन्न हो
	ब. तिमाही परीक्षा आंतरिक मूल्यांकन	दिसम्बर 2020 प्रथम सप्ताह
	स. छः माही परीक्षा आंतरिक मूल्यांकन	फरवरी 2021 प्रथम सप्ताह
	द. वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन	15 मार्च 2021 से 31 मार्च 2021 तक
	इ. वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन	10 अप्रैल 2021 से 30 मई 2021 तक
	ग. अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि	15 जून 2021
5.	अवकाश	
	अ. अशहरा अवकाश (3 दिवस)	24.10.2020 से 26.10.2020 तक
	ब. दीपावली अवकाश (4 दिवस)	12.11.2020 से 15.11.2020 तक
	स. शीतकालीन अवकाश (3 दिवस)	24.12.2020 से 26.12.2020 तक
	द. ग्रीष्मकालीन अवकाश (15 दिवस)	16.06.2021 से 30.06.2021 तक

यह कैलेण्डर शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अधीन रहेगा।

नोट - (1) सत्र 2020-21 के अंतर्गत ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया तथा परिस्थितियों एवं निर्देशों के अनुसार ऑनलाईन शैक्षणिक कार्य आदि के संबंध में पृथक से निर्देश जारी किये जायेंगे।

  
Principal  
Govt. R.R.M. College  
Surajpur (C.G.)



**सेमेस्टर कक्षाओं के लिए  
अकादमिक कैलेंडर सत्र 2020-21**

अकादमिक कार्य का विवरण	I/III/ V/ VII /IX	II/ IV/ VI VII/ X
कक्षाएँ प्रारंभ	1 नवम्बर 2020	22 फरवरी 2021
शैक्षणिक कार्य	1 नवम्बर 2020 से 15 जनवरी 2021 तक	22 फरवरी 2021 से 17 मई 2021 तक
प्रायोगिक परीक्षाएँ	जनवरी 2021 तृतीय सप्ताह	मई 2021 से चतुर्थ सप्ताह
परीक्षा पूर्व तैयारी	16 जनवरी 2021 से 22 फरवरी 2021 तक	18 मई 2021 से 24 मई 2021 तक
सेमेस्टर परीक्षा	01 फरवरी 2021 से 15 फरवरी 2021 तक	25 मई 2021 से 15 जून 2021 तक
परीक्षा परिणाम	मार्च 2021 प्रथम सप्ताह	जुलाई 2021 द्वितीय सप्ताह

**विशिष्ट निर्देश**

प्रत्येक कार्य दिवस पर शिक्षक को महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में 07 घण्टे रूकना आवश्यक होगा।

1. प्रातः कालीन पाली के लिए — प्रातः 07:30 से 03:00 अपरान्ह
2. द्वितीय पाली के लिए — प्रातः 10:00 से 05:30 संध्या
3. 07 घण्टे का कार्य विवरण —

**06 घण्टे अध्ययन-अध्यापन कार्य**

(प्रायोगिक, ट्यूटोरियल, रेमेडियल, शोधकार्य, लाईब्रेरी वर्क शामिल है।)

- 1 घण्टे कार्य (खेलकूद, रिक्रियेशन, प्राचार्य द्वारा प्रदत्त कार्य, विद्यार्थियों का शंका समाधान, नैक मूल्यांकन संबंधी कार्य)
  4. छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सभी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में हेल्प डेस्क का गठन कर विद्यार्थियों का जानकारी एवं सहायता करें।
  5. कोविड-19 के प्रभाव के कारण विलंब से सत्र प्रारंभ हो रहा है। अतः पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के लिए अध्ययन-अध्यापन हेतु अतिरिक्त आधे घण्टे के समय में वृद्धि की जावे।
  6. अध्ययन-अध्यापन की पद्धति में सुधार करते हुए महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी मानक का विस्तार किया जाये। विद्यार्थियों को ई-लर्निंग पद्धति से अवगत कराया जाये एवं शासन के ई-लर्निंग पोर्टल का उपयोग अध्यापन हेतु किया जाये।
  7. गूगल क्लासरूम, गूगल हैंगआउट, सिसको, गूगल मीट, जियो मीट, वेबेस्क मितिग, यू-ट्यूब स्ट्रीमिंग, स्वयंम प्लेटफार्म एवं स्वयंम प्रभा जैसे ऑनलाईन माध्यम की सहायता से अध्ययन-अध्यापन किया जाए।
  8. भविष्य में विषम परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्राध्यापकों को पर्याप्त प्रशिक्षण देकर ऑनकलाईन अध्ययन-अध्यापन माध्यमों से परिचित करवाया जाये।
  9. लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम ऑनलाईन माध्यम से तथा 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम परम्परागत तरीके से पूर्ण कराया जाए।